HIV/AIDS in DELHI

Meeting the Challenge

दिल्ली में एच आई वी/एड्स

चुनौती का सामना

Delhi State AIDS Control Society, Government of Delhi
दिल्ली स्टेट एड्स कंट्रोल सोसाइटी, दिल्ली सरकार

Population Foundation of India
पॉपुलेशन फाउंडेशन ऑफ इण्डिया

Population Reference Bureau
पॉपुलेशन रेफेरेन्स ब्यूरो

December 2005
दिसम्बर 2005

HIV/AIDS in DELHI

Meeting the Challenge

दिल्ली में एच आई वी/एड्स

चुनौती का सामना

Table of Contents

Foreword 3

Delhi's Rapid Population Growth 5

Delhi's Vulnerable Populations 6

Estimating the Extent of the Epidemic 7

Knowledge and Behaviour 8

The Spread of HIV/AIDS in Delhi 9

AIDS Risk in Delhi's Commercial Sex Work 10

Bridge Populations 11

Mapping the Challenge 12

STDs and HIV/AIDS 13

Testing for HIV/AIDS 14

Stigma – A Powerful Ally of HIV/AIDS 15

Parent to Child Transmission 16

A Safe and Secure Blood Supply 17

DSACS: Combatting HIV/AIDS 18

HIV/AIDS - related Services in Delhi 19

Statistical Appendix 20

विषय सूची

प्रस्तावना 3

दिल्ली की जनसंख्या में तेजी से वृद्धि 5

दिल्ली की अतिसंवेदनशील जनसंख्या 6

महामारी फैलाव की स्थिति का आकलन 7

जानकारी व व्यवहार 8

दिल्ली में एच आई वी/एड्स संक्रमण का फैलाव 9

दिल्ली के यौन व्यवसाय में एड्स का जोखिम 10

संवाहक जनसंख्या 11

चुनौतियों का मानचित्रण 12

यौन संचारित रोग और एच आई वी/एड्स 13

एच आई वी/एड्स के लिए जांच 14

कलंक-एच आई वी/एड्स का शक्तिशाली सहायक 15

माता-पिता से बच्चों में संक्रमण 16

सुरक्षित व निरापद रक्त आपूर्ति 17

डी एस ए सी एस - एच आई वी/एड्स के विरूद्ध युद्ध 18

दिल्ली में एच आई वी/एड्स संबधित सेवाएं 19

सांख्यिकी परिशिष्ट 20

The global AIDS epidemic poses an unprecedented threat to society and India is no exception. In Delhi also, the growing number of HIV/AIDS cases is a genuine cause for concern. This chartbook is intended to illustrate the HIV/AIDS situation in Delhi in a clear and concise format, bringing needed information on the disease to a wide audience. It is intended to broaden public understanding of the extent and nature of the threat, how the disease spreads, and the steps that are being taken against it.

Delhi's rapid population growth, nearly half of which is due to migration, presents a unique challenge in the struggle against HIV infection. Migrants often arrive in the city with little or no HIV knowledge. The slum population, 40 percent of the total, poses a special problem.

Sexual contact is the most common path by which HIV infection spreads in Delhi. There are at least 35,000 sex workers, the large majority of whom are not brothel-based and are thereby difficult to contact. One of the tragedies of HIV is that clients of sex workers may unknowingly infect their spouses who may then pass HIV to their unborn children. Thus far, it appears that HIV has not spread as widely into the general population of Delhi as has happened in some other states. Only a sustained effort will prevent this from taking place.

Information is a key component in the prevention of HIV and we sincerely hope that this chartbook will prove to be a useful tool in Delhi's campaign against HIV/AIDS.

Delhi State AIDS Control Society,
Government of Delhi
Population Foundation of India
Population Reference Bureau

New Delhi
December 2005

विश्व में एच आई वी/एड्स संक्रमण समाज के लिए एक अभूतपूर्व चेतावनी है और भारत भी इससे अछूता नहीं है। दिल्ली में भी एच आई वी/एड्स की बढ़ती संख्या चिंता का विषय है। इस चार्टबुक का उद्देश्य दिल्ली में एच आई वी/एड्स संक्रमण की स्थिति को संक्षिप्त तथा स्पष्ट रूप में प्रदर्शित करना है और हमें विश्वास है कि यह इस बीमारी से संबंधित वांछित जानकारियों को व्यापक जन समुदाय तक पहुंचाएगा। इस चेतावनीजनक स्थिति के स्तर व प्रकृति, जैसे कि यह संक्रमण कैसे फैलता है और इसके विरुद्ध क्या कदम उठाए जाने चाहिएं, के प्रसंग में जन-समुदाय की समझ को व्यापक करना है।

दिल्ली की तीव्र जनसंख्या वृद्धि, जिसमें लगभग आधी स्थानांतरण के कारण है, एच आई वी/एड्स संक्रमण के विरुद्ध संघर्ष में एक अद्वितीय चुनौती के रूप में उभर कर सामने आया है। अन्य स्थानों से शहर में आने वाले लोग अक्सर एच आई वी के विषय में अल्प जानकारियां लेकर आते हैं। झुग्गियों में निवास करने वालों, जो कि पूरी आबादी का 40 प्रतिशत हैं, की समस्याएं भी अति विशिष्ट हैं।

यौन समागम एक ऐसा माध्यम है, जिसकी वजह से एच आई वी संक्रमण दिल्ली में अधिकता से फैल रहा है। दिल्ली में लगभग 35,000 यौन कर्मी हैं जो ज्यादातर वेश्यालय आधारित नहीं हैं, अत: इनसे सम्पर्क करना भी काफी कठिन है। एच आई वी का सबसे दुखद पक्ष यह है कि यौन कार्यकर्ता के ग्राहक अनजाने में यह संक्रमण अपनी पत्नियों में भी स्थानांतरित कर सकते हैं और तब यह अजन्में शिशुओं तक भी पहुंच सकता है। अब तक, ऐसा प्रतीत हो रहा है, कि यह संक्रमण कुछ अन्य राज्यों की भांति दिल्ली की सामान्य जनसंख्या में इतने व्यापक स्तर पर नहीं फैला है। ऐसा न हो, इसके लिए नियमित प्रयास आवश्यक है।

एच आई वी/एड्स से बचाव के लिए जानकारी की अहम भूमिका है। हमारी उम्मीद है कि यह चार्टबुक एच आई वी/एड्स के विरुद्ध दिल्ली के अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

दिल्ली स्टेट एड्स कंट्रोल सोसाइटी,
दिल्ली सरकार
पॉपुलेशन फाउंडेशन ऑफ इण्डिया
पॉपुलेशन रेफेरेन्स ब्यूरो

नई दिल्ली
दिसम्बर 2005

Delhi has long been noted for its very high rate of population growth. Since the 1951 Census, when Delhi's population numbered 1.74 million, the total has grown at more than twice the national rate. Between the 1991 and 2001 Censuses, the population of the National Capital Territory (NCT) of Delhi grew from 9.42 to 13.85 million. That ten year gain of 4.43 million was its largest ever, equivalent to adding the entire population of Chennai Municipal Corporation. In 2005, the population is likely to be nearly 16 million.

Delhi is one of the fastest-growing mega-cities in the world. It was ranked as the world's ninth largest city in 2000 by the United Nations and is projected to rise to the third position by 2015, passing such cities as New York and Mexico City. From 1991 to 2001, migration accounted for nearly half of Delhi's growth.

Growth of Population between Censuses, 1951-2001
India and the NCT of Delhi
जनगणना वर्ष 1951 - 2001 में जनसंख्या की वृद्धि
भारत और राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली

Census Year जनगणना वर्ष	India भारत		NCT of Delhi राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली क्षेत्र	
	Population in Millions जनसंख्या (000,000)	Decadal Percent Growth दशक में वृद्धि का प्रतिशत	Population in Millions जनसंख्या (000,000)	Decadal Percent Growth दशक में वृद्धि का प्रतिशत
1951	361.1	13.3	1.74	90.0
1961	439.2	21.5	2.66	52.4
1971	548.2	24.8	4.07	52.9
1981	683.3	24.7	6.22	53.0
1991	846.3	23.9	9.42	51.5
2001	1,028.7	21.5	13.85	47.0

Registrar General, India
भारत के महापंजीकार

काफी समय से दिल्ली को उच्च जनसंख्या वृद्धि दर के लिए जाना जाता रहा है। 1951 की जनगणना के अनुसार दिल्ली की जनसंख्या 17.4 लाख थी तभी से इसकी जनसंख्या वृद्धि दर में राष्ट्रीय दर की तुलना में दोगुनी वृद्धि हुई है। 1991 एवं 2001 की जनगणना के दौरान राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की जनसंख्या 94 लाख से बढ़कर 1.39 करोड़ पर पहुंच गई है। इन दस वर्षों में 44 लाख की वृद्धि हुई जो अब तक की सबसे अधिक वृद्धि है और चेन्नई की जनसंख्या के लगभग बराबर है। अनुमान है कि वर्ष 2005 तक आबादी 1.6 करोड़ तक पहुंच सकती हैं।

दिल्ली विश्व के सबसे अधिक जनसंख्या वृद्धि दर वाले शहरों में से एक हैं। संयुक्त राष्ट्र के द्वारा दिल्ली को वर्ष 2000 में विश्व का नौवां सबसे बड़ा शहर घोषित किया गया और यह भी कहा गया, कि वर्ष 2015 तक यह न्यूयॉर्क और मैक्सिको सिटी आदि शहरों को पीछे छोड़ता हुआ तीसरे स्थान पर पहुंच सकता है। 1991 से 2001 के दौरान जनसंख्या स्थानांतरण दर कुल जनसंख्या वृद्धि दर का लगभग आधा था।

दिल्ली की अतिसंवेदनशील जनसंख्या

In Delhi in 2004, it is estimated that 0.3 percent of adults were infected with HIV. Since 1993, there were 945 reported cases of AIDS, although the reporting of disease is largely incomplete in India. Delhi is a major crossroads in India and has become an important hub for trucking and transportation. The migratory population, 900,000 and growing, often arrives in the city with little or no HIV knowledge. About 40 percent of the city's population lives in slums. The slum population, characterized by low levels of literacy, poor health conditions, poverty, and the low status of women, offers HIV many opportunities to spread. Delhi must also be concerned about its large suburban population in Haryana and Uttar Pradesh and the daily movement of many into and out of the city.

Other vulnerable groups:

- 35,000 female sex workers (FSW), including 7,000 brothel-based workers
- 35,500 street and working children
- Frequent visitors for business as well as Delhi residents who travel to other cities and return
- An estimated 10,000 intravenous drug users who often share needles

Reported Cases of AIDS, Delhi, 1993-2004 (cumulative)

दर्ज किए गए एड्स केस, दिल्ली, 1993-2004 (संचित)

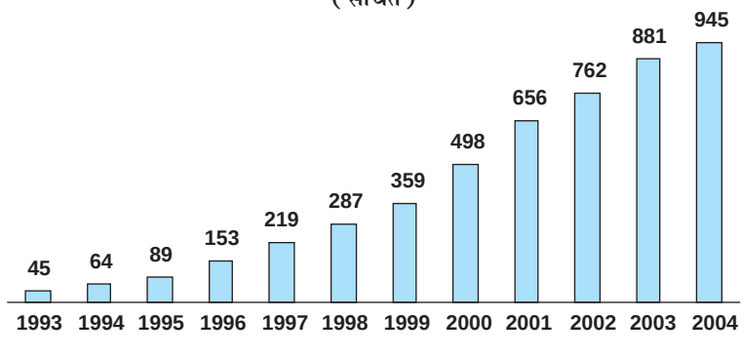

Delhi State AIDS Control Society
दिल्ली स्टेट एड्स कंट्रोल सोसाइटी

वर्ष 2004 के आकलन के अनुसार दिल्ली में 0.3 प्रतिशत व्यस्क एच आई वी से संक्रमित थे। 1993 से एड्स के 945 मामले सामने आये है, यद्यपि भारत में बीमारियों की सूचना बड़े स्तर पर अस्पष्ट है। पूरे भारतवर्ष में आवागमन के लिए दिल्ली एक प्रमुख क्षेत्र है और परिवहन का प्रमुख केन्द्र है। स्थानांतरण जनसंख्या, जो 900,000 है और बढ़ रही है, अक्सर शहर में एच आई वी के विषय में कम या बिना जानकारियों के ही आती है। शहर की लगभग 40 प्रतिशत आबादी झुग्गी-झोपड़ियों में निवास करती है। इस स्तर की आबादी के साथ निम्न शिक्षा, खराब स्वास्थ, गरीबी व महिलाओं की दयनीय स्थिति जुड़ी होती है और यह एच आई वी को फैलने का भरपूर मौका उपलब्ध कराती है। दिल्ली पर हरियाणा और उत्तर प्रदेश की उपनगरीय आबादी व दिल्ली से होकर निकटवर्ती क्षेत्र की लोगों के आवागमन का सीधा प्रभाव पड़ता है।

अन्य अतिसंवेदनशील समूह

- लगभग 35,000 महिला यौन कार्यकर्त्ता, जिसमें 7,000 वेश्यालय-आधारित यौन कार्यकर्त्ता भी शामिल हैं
- 35,500 फुटपाथी बच्चे व बाल श्रमिक
- व्यवसायिक यात्रा पर आने वाले व दिल्ली से बाहर जाने वाले लोगों की बड़ी संख्या
- आकलन के अनुसार 10,000 अंत:शिरा ड्रग्स का उपभोग करने वाले व्यक्ति, जो अकसर सूइयों का साझा प्रयोग करते हैं

The extent of HIV/AIDS is estimated by testing at sentinel sites located at government hospitals. Both high and low-risk groups are tested by the Delhi State AIDS Control Society (DSACS), the nodal agency. DSACS was established as an autonomous body on 1 November 1998 and currently operates 12 sites. High-risk behaviour groups include intravenous drug users (IVDUs) who share needles, commercial sex workers (CSWs), patients with sexually transmitted diseases (STDs), and men having sex with men (MSMs). The low-risk behaviour group, pregnant women at antenatal clinics (ANCs) who are presumed not to engage in risky sexual behaviour, are taken as representative of the general population.

States are classified as high, medium, or low prevalence based upon testing of high and low-risk groups. With less than 1 percent seropositivity in the low-risk group (women in antenatal clinics), Delhi would fall under the low prevalence category. However with more than 5 percent seropositivity in high-risk groups, Delhi would be a moderate prevalence state and is therefore categorized as a highly vulnerable state.

Percent of STD and ANC Patients Testing Positive for HIV
Delhi, 1999-2004

प्रसवपूर्व देखभाल केन्द्रों पर एच आई वी संक्रमित पाये गए यौन संचारित रोगियों का प्रतिशत, दिल्ली, 1999-2004

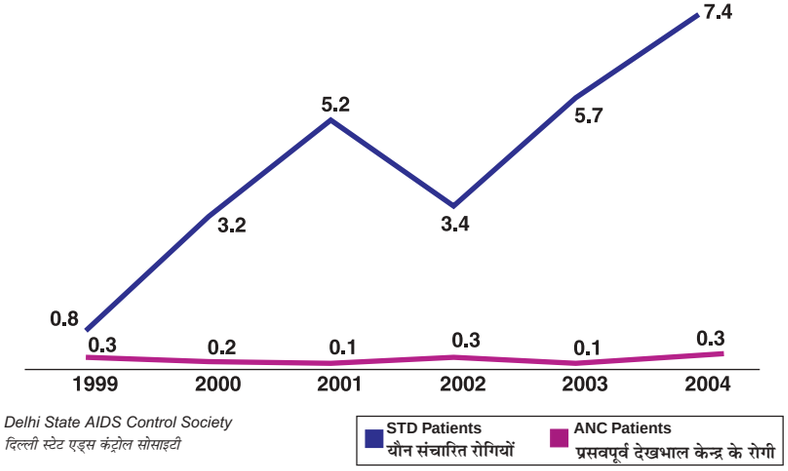

Delhi State AIDS Control Society
दिल्ली स्टेट एड्स कंट्रोल सोसाइटी

Percent of IVDUs Testing Positive for HIV
Delhi, 2000-2004

आई वी डी यू का एच आई वी से संक्रमन का प्रतिशत दिल्ली, 2000-2004

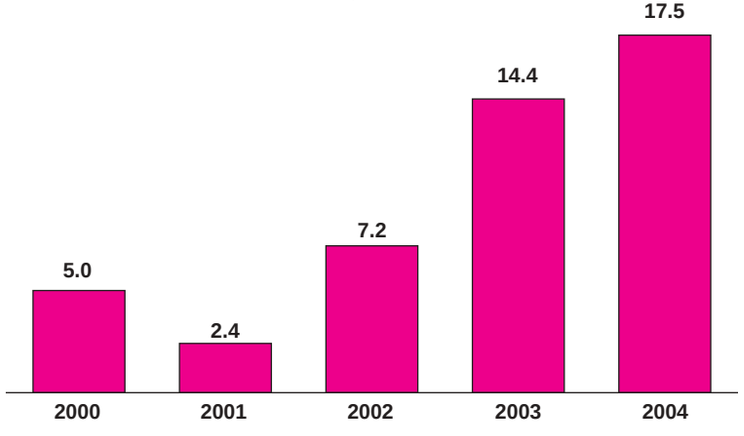

Delhi State AIDS Control Society
दिल्ली स्टेट एड्स कंट्रोल सोसाइटी

एच आई वी/एड्स की स्थिति का आकलन निगरानी केन्द्रों, जो सरकारी अस्पतालों में स्थित हैं, में जांच से किया जाता है। उच्च और निम्न जोखिम समूहों की जांच दिल्ली स्टेट एड्स कंट्रोल सोसाइटी (डी एस ए सी एस), जो एक स्वायत्त एजेंसी है, के द्वारा की जाती है। डी एस ए सी एस की स्थापना स्वायत्त संख्या के रूप में 1 नवम्बर 1998 को की गई थी और यह वर्तमान में 12 क्षेत्रों का नियंत्रण कर रही है। उच्च जोखिमपूर्ण व्यवहार समूहों में अंत:शिरा ड्रग्स का सेवन करने वाले जो आपस में सूई बदलते हैं, व्यवसायिक यौन कार्यकर्त्ता यौन जनित रोगों के रोगी और समलैंगिक पुरुष शामिल हैं। निम्न जोखिम व्यवहार समूह के अंतर्गत वह गर्भवती महिलाएं आती हैं जो प्रसव क्लिनिक में हों और जिनके विषय में माना जाता है कि वो जोखिमयुक्त यौन व्यवहारों में लिप्त नहीं हैं और यह सामान्य जनसंख्या की प्रतिनिधि हैं।

उच्च तथा निम्न जोखिम वाले समूहों के आधार पर राज्यों को उच्च, मध्यम तथा निम्न व्याप्तता की श्रेणियों में बांटा जाता है। निम्न जोखिमपूर्ण समूहों के लिए (प्रसवपूर्ण जाँच के दौरान पाए जाने वाले संक्रमण) में 1 प्रतिशत से कम सेरो पॉज़िटिवीटी के कारण दिल्ली निम्न व्याप्तता वाली श्रेणी में आता है जबकि उच्च जोखिमपूर्ण समूहों में 5 प्रतिशत से भी अधिक सेरो पॉज़िटिवीटी संक्रमण के कारण दिल्ली औसत व्याप्तता वाला राज्य है और यह अतिसंवेदनशील राज्यों की श्रेणी में आता है।

In Delhi, as in all-India, sexual contact is the most common way by which HIV infection spreads, beginning in high-risk behaviour populations, then spreading to low-risk behaviour populations. Although awareness of HIV is nearly universal in Delhi, only 29 percent of males and 19 percent of females had fully correct HIV/AIDS knowledge, according to the 2001 Behavioural Surveillance Survey (BSS), conducted by National AIDS Control Organisation (NACO). Some reported that HIV can be contracted by sharing a meal with an infected person or did not know that consistent condom use guards against infection.

In Delhi, about 8 percent of males reported that they had had sex with a non-regular partner in the previous year. The BSS also found that only 33 percent of men and 25 percent of women reported consistent condom use with non-regular partners. Without full understanding of HIV, the risk of infection may be high.

Percent of Adults Having No Incorrect Beliefs about HIV Transmission, Delhi, 2001

व्यस्कों का प्रतिशत, जिनको एच आई वी संचारण से संबंधित कोई गलत भ्रांति नहीं है दिल्ली, 2001

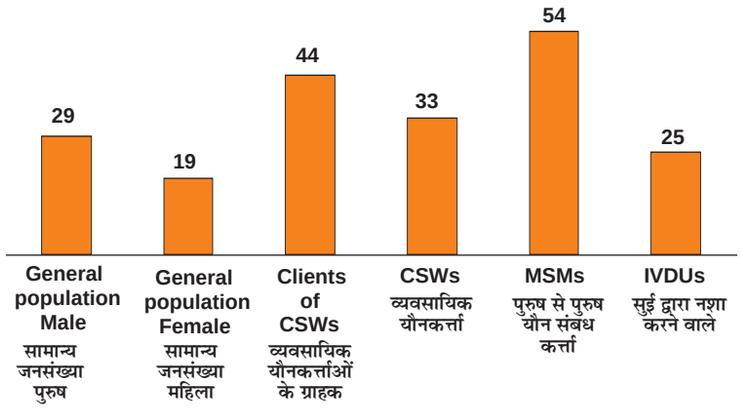

2001 Behavioural Surveillance Survey
व्यवहार निरीक्षण सर्वे, 2001

Percent of Adult Population Who Reported Having Sex with Any Non-regular Partner in the Past Year, Delhi, 2001

विगत वर्ष अनियमित यौन साथी से यौन संबंध जानकारी देने वाले व्यस्कों का प्रतिशत दिल्ली, 2001

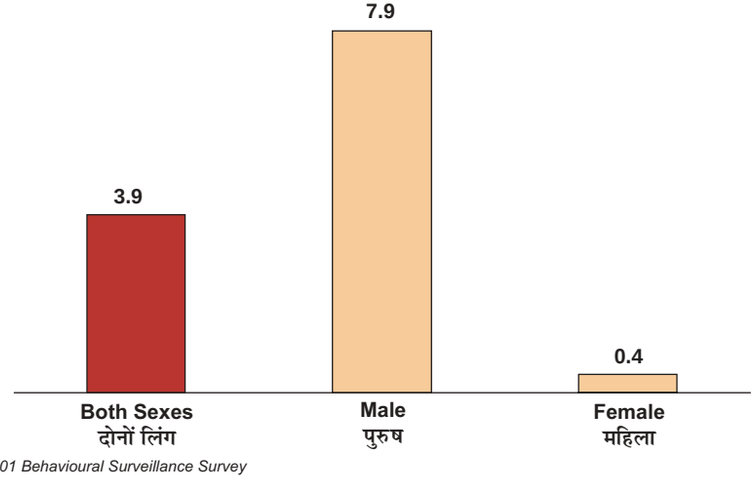

2001 Behavioural Surveillance Survey
व्यवहार निरीक्षण सर्वे, 2001

दिल्ली में, जैसे कि भारत में, यौन समागम एक ऐसा सामान्य माध्यम है, जिससे एच आई वी संक्रमण आसानी से फैलता है। यह उच्च जोखिमपूर्ण व्यवहार समूह से प्रारंभ होकर निम्न जोखिम समूह तक पहुंचता है। यद्यपि एड्स जागरुकता दिल्ली में सार्वभौमिक है, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठण (नाको) के द्वारा संचालित वर्ष 2001 के व्यवहार निरीक्षण सर्वे के अनुसार मात्र 29 प्रतिशत पुरुषों और 19 प्रतिशत महिलाओं को एच आई वी/एड्स के विषय में सही जानकारी है। कुछ लोग यह भी समझते हैं कि एड्स किसी संक्रमित व्यक्ति के साथ खाना खाने से भी फैलता है या फिर वह यह भी नहीं जानते, कि नियमित रूप से कंडोम का उपयोग इस संक्रमण से रक्षा करता है।

लगभग 8 प्रतिशत पुरुषों ने बताया, कि विगत वर्ष उन्होंने गैर-नियमित साझेदारों के साथ यौन संबंध स्थापित किए। व्यवहार निरिक्षण सर्वे से यह भी पता लगा कि मात्र 33 प्रतिशत पुरूष और 25 प्रतिशत महिलाओं ने ही गैर-नियमित साझेदार के साथ प्रत्येक यौन संबंध के समय कंडोम का उपयोग किया। एच आई वी पर संपूर्ण जानकारी के बिना इस संक्रमण की वृद्धि दर बढ़ती रह सकती है।

As the disease becomes more widespread, it can be transmitted through other channels such as by blood transfusion or from parent to child. It then becomes a disease that can affect anyone, not only those with high-risk behaviour.

In Delhi, the proportion of HIV transmitted through sexual contact, 64 percent, is lower than that of all-India at 85 percent. Transmission by blood transfusion and blood products is about 5 percent compared to 2.7 percent at the national level. For 26 percent, transmission routes are not known.

About 35 percent of the reported AIDS cases are in the age group 15-29 and 45 percent are in the 30-49 age group. Approximately 85 percent of the cases are among males.

Routes of Transmission of Reported AIDS Cases, Delhi, 1993-2003
एड्स का संचारण: दर्ज किए गए केस, दिल्ली, 1993-2003

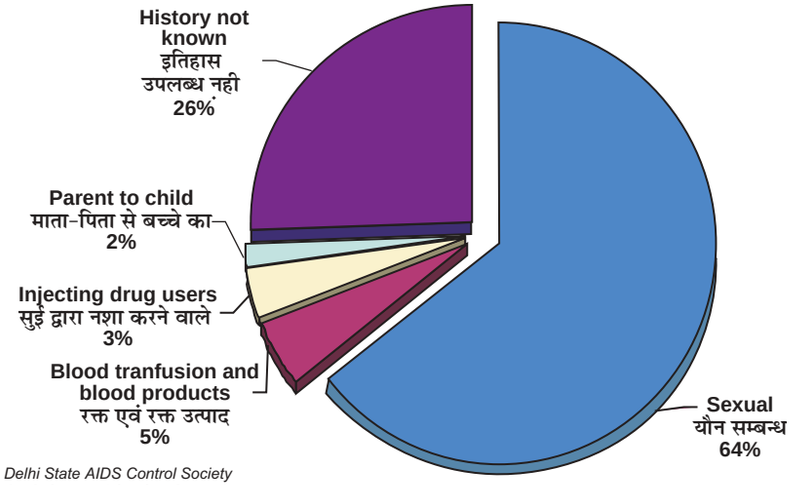

Delhi State AIDS Control Society
दिल्ली स्टेट एड्स कंट्रोल सोसाइटी

I left Agra and came to Delhi at the age of 18. At Agra, I worked in a sweet shop. I fell in love with a girl and wanted to marry her. But my family was against it. I got depressed and started taking drugs to forget her. After I got addicted, I needed more money. So I started thieving, gang robbery and other criminal activity. I remained in prison for many short intervals and after getting bail, I migrated to Delhi. Here I came to know about intravenous drugs. I think from there, I picked up this infection.

From "Positive Voices" Dr. Sunil Mehra and Subir Kole, 2003

मैं 18 वर्ष की आयु में आगरा से दिल्ली आ गया। मैं एक मिठाई की दुकान पर काम करता था। मुझे एक लड़की से प्रेम हो गया और मैं उससे विवाह करना चाहता था। मेरा परिवार इसके खिलाफ था। मैं अवसाद से भर गया और उसको भुलाने के लिए ड्रग्स का सेवन करने लगा। जब मैं इसका आदी हो गया तो मुझे और अधिक पैसों की आवश्यकता होने लगी। इसलिए मैंने चोरी, गैंग डकैती व अन्य आपराधिक गतिविधियां शुरू कर दी। कई अवसरों पर थोड़े-थोड़े समय के लिए मैं जेल भी गया। जमानत मिलने के बाद मैं दिल्ली आ गया। यहां मुझे अंत:शिरा ड्रग्स की जानकारी मिली। मुझे लगता है, कि यहीं से मुझे संक्रमण हुआ।

''पॉज़िटिव वॉयस'' डा. सुनील मेहरा और सुबीर कोले से उद्धत, 2003

चूंकि यह बीमारी व्यापक स्तर पर फैल चुकी है अत: यह अन्य माध्यमों से भी फैल सकती है, जैसे रक्त चढ़ाने या माता-पिता से बच्चे को, इत्यादि। यह तब ऐसे रोग का रूप धारण कर लेता है, जो न सिर्फ अधिक जोखिमपूर्ण व्यवहार करने वालों, बल्कि किसी को भी प्रभावित कर सकता है।

दिल्ली में यौन संबंधों के कारण एच आई वी संक्रमण के फैलने का अनुपात 64 प्रतिशत है, जो राष्ट्रीय स्तर पर लगभग 85 प्रतिशत है। रक्त चढ़ाने या रक्त उत्पादों से इसके फैलाव का अनुपात राष्ट्रीय स्तर पर 2.7 प्रतिशत है जबकि दिल्ली में यह 5 प्रतिशत है। 26 प्रतिशत के लिए संक्रमण का कारण ज्ञात नहीं है।

एड्स के 35 प्रतिशत ज्ञात मामले 15-29 आयु वर्ग से हैं, जबकि 45 प्रतिशत 30-49 आयु वर्ग से संबंधित है। लगभग 85 प्रतिशत मामलों में संक्रमण पुरुषों में पाया गया है।

Delhi's commercial sex workers are both brothel-based and non-brothel-based and average over four clients a day, the highest in India. In 2004, 8 percent of the brothel-based CSWs tested positive for HIV, as did 1.2 percent of non-brothel CSWs. Knowledge of the condom is widespread among CSWs; about 73 percent had used a condom with a paying partner during their last sexual encounter. Only about 64 percent used a condom consistently with paying partners. The primary reason for non-use of the condom is that clients object. Often, the sex workers, about two-thirds of whom are illiterate, are likely to be economically dependent upon their *dalal* and fearful of insisting upon condom use. As one measure of condom promotion, DSACS now distributes about 14 million condoms per year and has set up 150 condom dispensing machines, half on G.B. Road.

Average Number of Paying Clients on Last Working Day, Sex Workers
Selected States, 2001
अंतिम कार्य दिवस पर ग्राहकों की औसत संख्या यौन कार्यकर्त्ता, चुने हुए राज्य, 2001

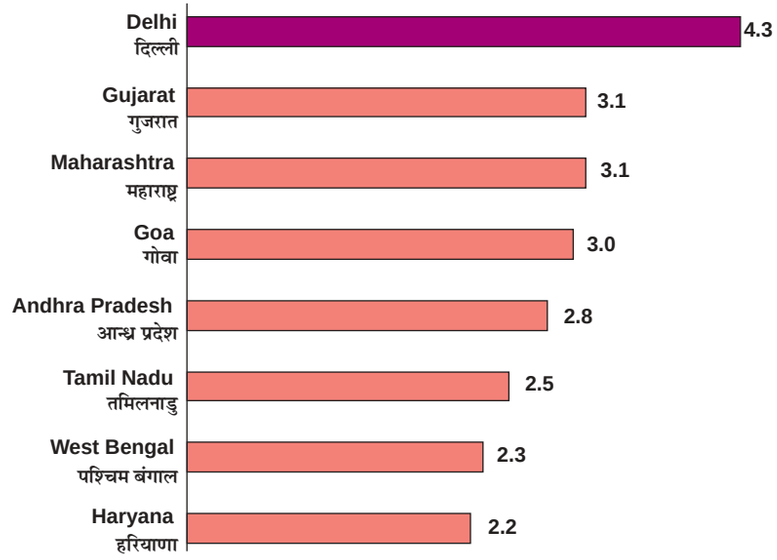

2001 Behavioural Surveillance Survey
व्यवहार निरीक्षण सर्वे, 2001

Percent of Sex Workers Using a Condom, Delhi, 2001
कंडोम का उपयोग करने वाली यौन कार्यकर्त्ता, दिल्ली, 2001

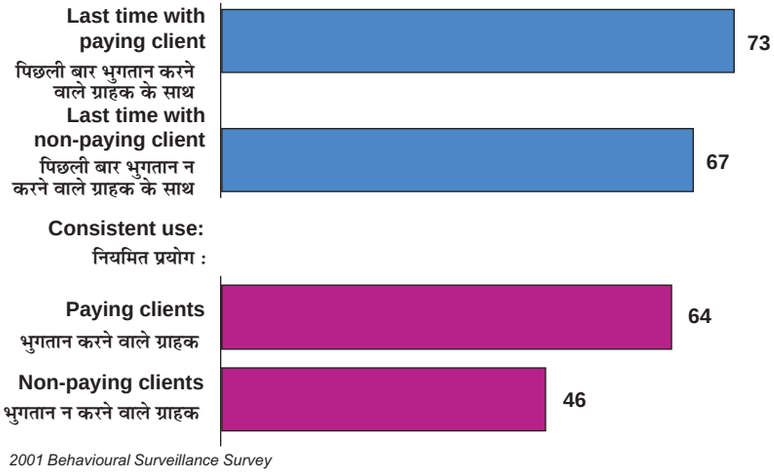

2001 Behavioural Surveillance Survey
व्यवहार निरीक्षण सर्वे, 2001

दिल्ली का यौन व्यवसाय वेश्यालय आधारित और वेश्यालय के बिना दोनों ही स्तर पर शामिल हैं, जिनमें औसतन प्रतिदिन चार या अधिक ग्राहक होते हैं जो भारत में सर्वाधिक है। वर्ष 2004 में 8 प्रतिशत वेश्यालय आधारित यौन कार्यकर्त्ता एच आई वी के लिए जांच में संक्रमित पाई गई और 1.2 प्रतिशत वैसी महिलाएं हैं, जो वेश्यालय से बाहर कार्य करती हैं। यौन कार्यकर्त्ताओं में यद्यपि कंडोम की व्यापक जानकारी है, फिर भी केवल 73 प्रतिशत ऐसे कार्यकर्त्ता हैं जिन्होंने पिछली बार भुगतान करने वाले ग्राहक के साथ कंडोम का उपयोग किया। एड्स की रोकथाम की प्रमुख रणनीति, कंडोम का प्रत्येक बार प्रयोग का प्रतिशत भी भुगतान करने वाले साझेदारों के साथ कंडोम के प्रयोग का मात्र 64 प्रतिशत है। इसका प्राथमिक कारण है, कि ग्राहक विरोध करते हैं। अक्सर, यौन कार्यकर्त्ता, जिनमें दो-तिहाई अशिक्षित ही होती है, आर्थिक रूप से अपने दलालों पर निर्भर होती है और कंडोम के उपयोग के लिए प्रेरित करने के प्रति भयभीत रहती है। कंडोम के उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए दिल्ली स्टेट एड्स कंट्रोल सोसाइटी अब लगभग 1.4 करोड़ कंडोम प्रतिवर्ष वितरित कर रही है साथ ही 150 कंडोम डिसपेंसिंग मशीन भी स्थापित की गई हैं, जिनमें से आधी जी बी रोड में स्थापित की गई हैं।

HIV/AIDS is not simply a problem for those engaging in high-risk behaviour. Husbands who engage in risky sexual behaviour may unknowingly infect their wives whose own behaviour is not risky. HIV can also be transmitted by blood transfusion. Migrants to the city may bring HIV with them or contract it after arrival, then spread it to others in the community.

HIV infection often begins with high-risk populations such as men who visit sex workers and needle-sharing drug users. These groups act as a "bridge" to the general population. Married women can, in turn, contract the disease and pass it to their unborn children. There are indications that this is now taking place in Delhi, threatening a generalized epidemic.

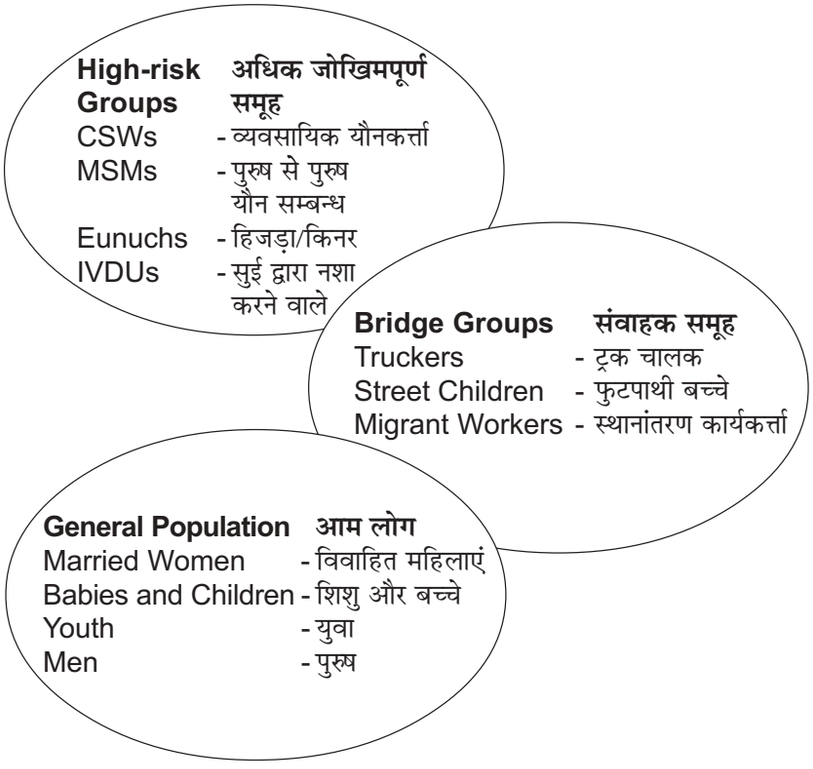

My husband was a truck driver and used to earn well. He died of AIDS in the hospital 5 years ago. After his death, I came to know that I am also HIV positive. By that time, I already had two children, one of 4 years and another of 2 years. After I came to know of my positive status, I tested both of my child and the youngest one found out to be positive. Since there is no blood transfusion as yet, I feel I am the only source for my child getting HIV.

From "Positive Voices" Dr. Sunil Mehra and Subir Kole, 2003

मेरे पति एक ट्रक ड्राइवर थे और उनकी आमदनी भी अच्छी थी। उनकी मौत आज से पांच साल पहले एड्स के कारण हुई। उनकी मौत के बाद मुझे पता चला कि मैं भी एच आई वी संक्रमित हूं। उस समय तक मेरे दो बच्चे हो चुके थे। मुझे जब मेरी हालत के बारे में पता चला तो मैंने बच्चों की जांच करवाने का निश्चय किया। छोटे बच्चे को भी एच आई वी संक्रमित पाया गया। तब तक मुझे कभी भी रक्त चढ़ाने की जरूरत नहीं पड़ी थी, मैं समझती हूं कि मेरे बच्चे के संक्रमित हो जाने का एक मात्र माध्यम मैं ही हूं।

''पॉज़िटिव वॉयस'' डा. सुनील मेहरा और सुबीर कोले से उद्धत, 2003

एच आई वी/एड्स की समस्या मात्र उन लोगों की ही नहीं है जो उच्च जोखिमपूर्ण व्यवहारों में लिप्त हैं। ऐसे पति जो जोखिमपूर्ण व्यवहार में लिप्त हैं वह अंजाने में अपनी पत्नी को संक्रमित कर सकते हैं, जिसका अपना निजी व्यवहार जोखिमपूर्ण नही है। जिस व्यक्ति को इसका खतरा नहीं है वह भी संक्रमित रक्त चढ़ा दिए जाने से संक्रमण का शिकार हो सकता है। स्थानांतरण से भी एच आई वी संक्रमण का खतरा रहता है या यह हो सकता है कि उस स्थान से वापस लौटने के बाद उस व्यक्ति के कारण समाज के अन्य व्यक्ति के उच्च जोखिम व्यवहार से संक्रमित होने की संभावना बढ़ सकती है

एच आई वी संक्रमण अकसर उच्च जोखिम भरी गतिविधियों से शुरू होता है, जैसे पुरुष जो यौन कार्यकर्त्ताओं के पास जाते हैं, सूईयों के साझे प्रयोग द्वारा नशीले दवाओं के उपयोगकर्त्ता, यह गतिविधियां सामान्य जनसंख्या के लिए एच आई वी के संवाहक का काम करती है। विवाहित महिलाएं इस प्रकार संक्रमित हो अपने अजन्में शिशुओं को संक्रमित कर सकती हैं यह संकेत मिलने लगे हैं कि दिल्ली में इस प्रकार के संक्रमण शुरु हो जाने के संकेत मिलने लगे हैं, जो एक बढ़ती महामारी की चेतावनी है।

In order to devise a comprehensive programme to address specific groups at risk of HIV infection, DSACS carried out a mapping study to locate them. Such an exercise provides a solid basis for implementing targeted interventions for groups whose needs vary greatly. For example, migrant workers and truckers who spend time away from home must be fully educated to the dangers of HIV. The table illustrates the variety of patterns among high-risk groups throughout the NCT of Delhi.

Estimated High-risk and Bridge Groups by District as per Mapping Study, Delhi, 2002

मानचित्र अध्ययन - 2002 के अनुसार उच्च जोखिमपूर्ण व संवाहक समूह, दिल्ली

District जिला	CSWs व्यवसायिक यौनकर्त्ता	MSMs पुरुष से पुरुष यौन सम्बन्ध	Eunuchs हिजड़ा/ किनर	IVDUs सुई द्वारा नशा करने वाले	Truckers* ट्रक चालक	Street Children फुटपाथी बच्चे	Migrant Workers स्थानांतरण कार्यकर्त्ता
East पूर्व	3,900	1,293	1,169	1,233	2,793	7,755	109,320
Northeast उत्तरपूर्व	4,450	510	1,028	1,215	5,860	495	107,625
North उत्तर	6,879	2,017	1,680	1,973	1,740	7,655	127,155
Northwest उत्तर पश्चिम	9,497	1,286	1,527	2,158	7,512	2,386	123,023
Central केन्द्र	730	568	356	530	275	3,515	29,750
New Delhi नई दिल्ली	462	110	85	215	0	125	6,045
West पश्चिम	4,312	928	771	1,340	3,330	800	118,884
South दक्षिण	3,728	275	308	531	7,330	10,348	160,785
Southwest दक्षिण पश्चिम	1,104	545	393	408	572	2,411	105,235
NCT of Delhi राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली	35,062	7,532	7,317	9,603	29,412	35,490	887,822

**Stationed per day*
प्रतिदिन रुकने वालों की संख्या

Delhi State AIDS Control Society
दिल्ली स्टेट एड्स कंट्रोल सोसाइटी

एच आई वी संक्रमण के जोखिम में घिरे कुछ विशिष्ट समूहों के लिए व्यापक कार्यक्रम की रूप-रेखा तैयार करने के लिए डी एस ए सी एस ने एक मानचित्रण कार्य अपनाया है, ताकि उनका पता लगाया जा सके। ऐसे अभ्यास उन समूहों के लिए लक्षित हस्तक्षेपों को क्रियान्वित करने का ठोस आधार उपलब्ध करवाते हैं जिनको इसकी अतिआवश्यकता है। उदाहरण के लिए, पलायन कर या ट्रक ड्राइवर जो अधिकांश समय घर से बाहर रहते हैं उनको एच आई वी के खतरों के विषय में संपूर्ण शिक्षा दी जानी चाहिए। सारणी राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में उच्च जोखिमपूर्ण समूहों के मध्य विभिन्न प्रकार के प्रचलनों को प्रदर्शित करती हैं।

The presence of a sexually transmitted disease (STD) or reproductive tract infection makes one more vulnerable to HIV infection. The proportion of Delhi adults interviewed in the BSS who reported a possible STD symptom was well above the national average and was the highest of any state along with Haryana. Knowledge that the presence of a STD increases the risk of contracting HIV was somewhat higher in Delhi than the all-India average.

Percent of Adult Population Reporting STD Symptoms in the Past Year India and Delhi, 2001

पिछले वर्ष यौन संचारित रोगों के लक्षण व्यक्त करने वाले व्यस्कों का प्रतिशत भारत और दिल्ली, 2001

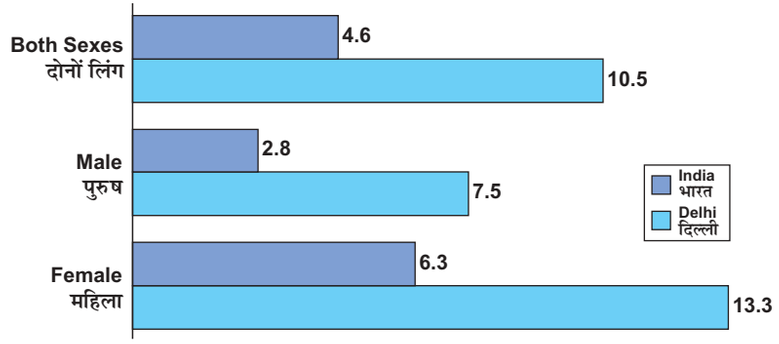

2001 Behavioural Surveillance Survey
व्यवहार निरीक्षण सर्वे, 2001

Percent of Adult Population Aware of the Linkage between STDs and HIV Infection, India and Delhi, 2001

यौन जनित रोगों व एच आई वी के मध्य संबंध की जानकारी रखने वाले व्यस्कों का प्रतिशत, भारत और दिल्ली, 2001

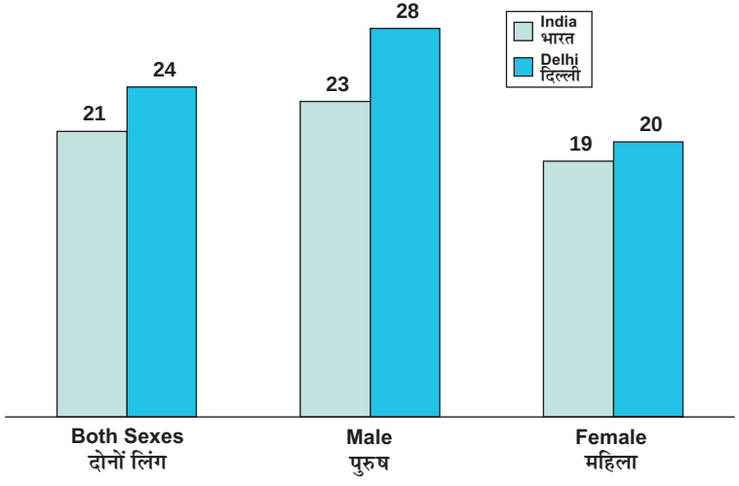

2001 Behavioural Surveillance Survey
व्यवहार निरीक्षण सर्वे, 2001

यौन संचारित रोगों या प्रजनन संबंधी रोगों की उपस्थिति व्यक्ति को एच आई वी संक्रमण के प्रति अधिक सम्वेदशील बना देती है। दिल्ली में यौन संचारित रोगों की संभावना के मद्देनज़र व्यवहार निरिक्षण सर्वे में साक्षात्कार लेने के पश्चात यह तथ्य सामने आया है कि उनकी स्थिति देश के औसत से अधिक थी, हरियाणा और दिल्ली का औसत देश के किसी भी राज्य से अधिक है। यौन संचारित रोगों के कारण एच आई वी संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है और यह जानकारी दिल्ली में भारत की तुलना में कुछ अधिक है फिर भी यह औसत काफी कम है।

एच आई वी/एड्स के लिए जांच

The fact that many people are infected with HIV and do not realize it is an ever-present danger in the city. Voluntary, confidential testing for HIV infection is a key element in the struggle against the disease. However, only about 18 percent of the respondents in the BSS knew where to go for a test. This is despite the fact that about 80 percent of Delhiites in the survey also said that they felt it was possible to be tested for HIV.

The number of people tested for HIV infection at Voluntary Counseling and Confidential Testing Centres (VCCTCs)* has risen steadily, reaching 66,390 in 2004. Of these, 2,784 or 4.2 percent were found to be HIV-positive. This proportion is not necessarily representative of Delhi's general population as those tested may have had some reason to suspect that they were positive. It is also important that patients be counseled on the need for the test and on the treatment available. In 2004, 43,296 patients were so counseled, 65 percent of the total.

*A list can be found on page 19.

Percent of Adult Population Aware of a HIV Testing Facility India and Delhi, 2001

जिनको एच आई वी जांच सुविधाओं की जानकारी है व्यस्कों का प्रतिशत, भारत और दिल्ली, 2001

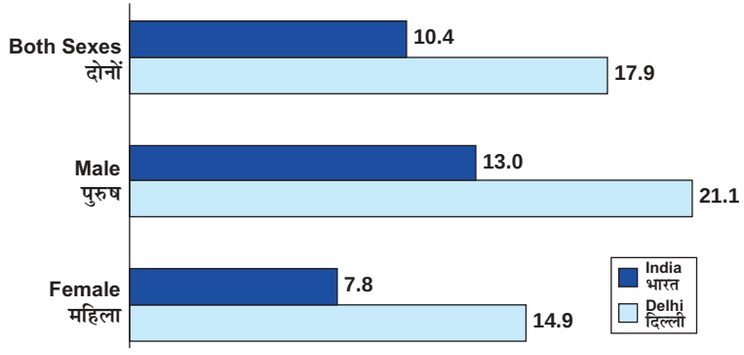

2001 Behavioural Surveillance Survey
व्यवहार निरीक्षण सर्वे, 2001

Testing at Voluntary Counseling and Confidential Testing Centres Delhi, 2002 - 2004

स्वैच्छिक परामर्श एवं गोपनीय जाच केन्द्रों में जांच, दिल्ली, 2002 - 2004

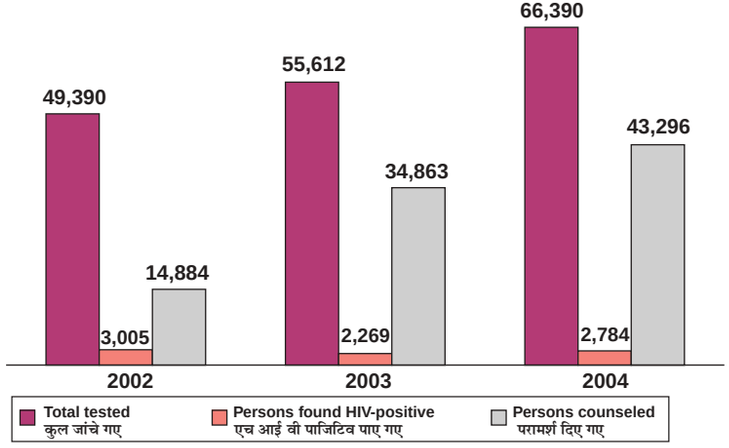

Delhi State AIDS Control Society
दिल्ली स्टेट एड्स कंट्रोल सोसाइटी

यह तथ्य कि कई लोग एच आई वी से संक्रमित हैं और यह नहीं जानते कि यह शहर के लिए एक सदैव मौजूद रहने वाला खतरा है। इस रोग के विरूद्ध कारवाई में एच आई वी की स्वैच्छिक व गुप्त जांच एक महत्वपूर्ण तत्व है। फिर भी लगभग 18 प्रतिशत व्यक्तियों को ही यह पता है कि वे जांच के लिए कहां जाएं। इस तथ्य के बावजूद व्यवहार निरीक्षण सर्वे में यह पाया गया कि दिल्ली के 80 प्रतिशत निवासी यह कहते हैं कि उनको लगता है एच आई वी के लिए जांच करवाई जा सकती है।

स्वैच्छिक परामर्श एवं गोपनीय जांच केन्द्रों* में जांच किए गए लोगों की संख्या धीरे-धीरे बढ़ रही है और 2004 में इनकी संख्या 66,390 थी। इन में से 2,784 या 4.2 प्रतिशत एच आई वी पाजिटिव पाए गए थे। यह अनुपात सामान्य जनसंख्या की प्रतिनिधित्व नहीं करती क्योंकि दिल्ली में इन का अनुपात काफी अधिक होने की सम्भावना है। इसलिए रोगियों की जांच कराने की आवश्यकता तथा जांच करने की सुविधाओं की ओर ध्यान दिलाने की जरूरत है। 2004 के कुल 43,296 रोगियों को परामर्श दिया गया और यह कुल जांचे गए रोगियों का 65 प्रतिशत है।

* सूची पृष्ठ 19 पर उपलब्ध है।

Misconceptions about HIV/AIDS only help to spread the disease. People who feel they might be infected hesitate to be tested lest they be ostracized from their village, job, and home. By 2001, about 2 percent of Delhiites knew someone who was infected with HIV or who had died from AIDS. Dispelling myths about HIV/AIDS is an urgent concern. People must be informed of the following:

- HIV does not travel through the air nor can it be contracted through mosquito or insect bites. Thus, merely having a HIV-positive person in one's village or place of work carries no risk of HIV transmission.
- HIV cannot be contracted by sharing a meal or shaking hands with a HIV infected person, or by a cough or sneeze.
- HIV-positive people can live normal and meaningful lives with treatment and proper nutrition.

Immediately after knowing status, my mother, brother everybody told me that now you can not stay with us. Please go back wherever you have come from. We do not want AIDS here. I was badly shocked with the behaviour of my family members. I left everything on God and again came back to Delhi and started staying in the park.

From "Positive Voices" Dr. Sunil Mehra and Subir Kole, 2003

मेरी स्थिति जानने के साथ ही मेरी मां, मेरे भाई सब ने मुझसे यह कहना शुरू कर दिया, कि मैं उनके साथ नहीं रह सकता जहां से तुम आए हो वहीं वापस चले जाओ। हम अपने घर में एड्स नहीं चाहते। मुझे अपने परिवार के व्यवहार को देखकर बुरी तरह धक्का लगा। मैंने सब कुछ भगवान पर छोड़ दिया और दिल्ली वापस आ गया और एक पार्क में रहने लगा।

''पॉज़िटिव वॉयस'' डा. सुनील मेहरा और सुबीर कोले से उद्धत, 2003

एच आई वी/एड्स के विषय में अवधारणाऐं इस बीमारी को फैलने में सहायक की भूमिका निभाती है। वैसे लोग जो यह सोचते हैं, कि वे भी इस बीमारी के शिकार हो सकते हैं, वो इस भय से जांच करवाने से हिचकते हैं, कि कहीं उनको गांव, कार्यक्षेत्र या घर से बाहर न निकाल दिया जाए। वर्ष 2001 तक लगभग 2 प्रतिशत दिल्ली के निवासी किसी न किसी व्यक्ति को अवश्य जानते थे, जो या तो एच आई वी से संक्रमित थे या एड्स से जिनकी मौत हुई थी। एच आई वी/एड्स के विषय में इन भ्रांतियों को दूर करना आज की प्रमुख आवश्यकता बन गई है। लोगों को निम्नलिखत तथ्यों के बारे में निश्चित रूप से जानकारी दी जानी चाहिए:

- एच आई वी विषाणु वायु के साथ नहीं फैलता न ही यह मच्छर या कीड़े के काटने से होता है। अत: मात्र किसी एच आई वी संक्रमित व्यक्ति के गांव या कार्यक्षेत्र में होने से एच आई वी/एड्स संक्रमण का कोई जोखिम नहीं होता।
- संक्रमित व्यक्ति के साथ खाना खाने, हाथ मिलाने या बलगम अथवा उसके छींकने से भी यह नहीं फैलता।
- एच आइ वी संक्रमित व्यक्ति भी थोड़े से नियमित उपचार तथा पौष्टिक आहार के साथ सामान्य व सकारात्मक जीवन जी सकते हैं।

HIV can be passed to an infant during pregnancy, labour, delivery, and breastfeeding. Knowledge of the risk in the antenatal period and during delivery is high in Delhi, with 76 percent of women aware of the possibility of passing HIV to their children. A much smaller proportion, only 39 percent, know that the disease can also be passed while breastfeeding.

The risk of parent to child transmission can be greatly reduced during pregnancy and delivery through antiretroviral treatment (ART). Three of the 25 ART centres* in India are in Delhi. For preventing transmission of HIV through breast milk, various other options are available. Lactating mothers need to be counseled to make a decision based on acceptability, feasibility, affordability, safety, and sustainability of the chosen options such as replacement feeding with formula.

*A list can be found on page 19.

Knowledge of Parent to Child Transmission, Delhi, 2001
माता-पिता से शिशु में संक्रमण की जानकारी, दिल्ली, 2001

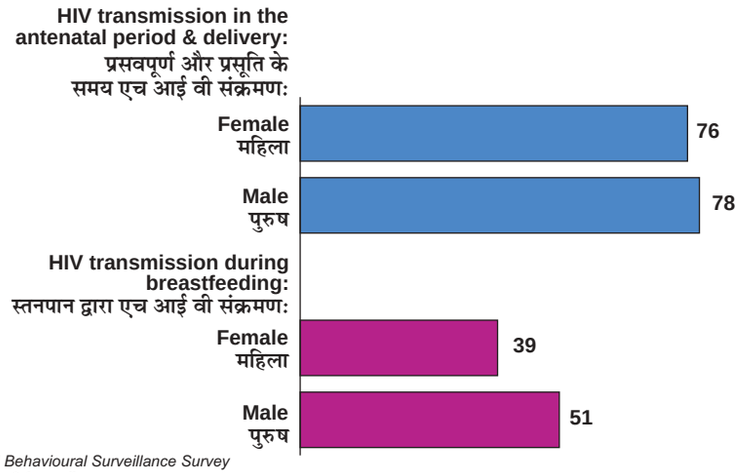

2001 Behavioural Surveillance Survey
व्यवहार निरीक्षण सर्वे, 2001

Preventing Parent to Child Transmission Centre Attendees, Delhi, 2003-2004
माता-पिता से शिशु संक्रमण रोकथाम केन्द्रों में उपस्थिती, दिल्ली, 2003-2004

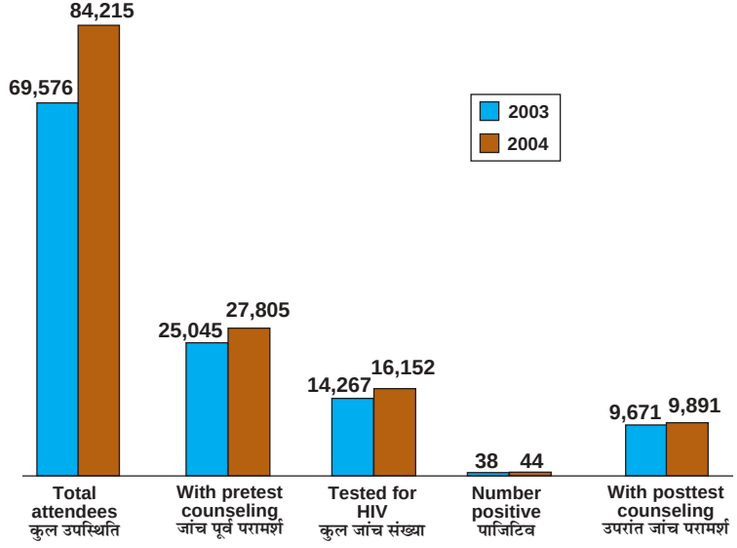

Delhi State AIDS Control Society
दिल्ली स्टेट एड्स कंट्रोल सोसाइटी

गर्भावस्था, प्रसूति या स्तनपान के द्वारा भी शिशुओं में एच आई वी संक्रमण हो सकता है। प्रसवपूर्व अवधि या गर्भावस्था में शिशु के एच आई वी से संक्रमित होने के जोखिम के प्रसंग में जानकारी दर दिल्ली में काफी उच्च है। 76 प्रतिशत महिलाएं इस तथ्य से परिचित हैं। काफी कम अनुपात में अर्थात लगभग 39 प्रतिशत महिलाओं को पता है कि, एच आई वी स्तनपान के द्वारा भी शिशु को संक्रमित कर सकता है।

माता-पिता से शिशुओं में स्थानांतरण का जोखिम गर्भावस्था और प्रसूति के दौरान ए आर टी द्वारा व्यापक स्तर पर कम किया जा सकता है। भारत के 25 एंटि-रीट्रोवायरल केन्द्रों में से तीन केन्द्र* दिल्ली में स्थित हैं। हालांकि स्तनदूध के साथ-साथ अन्य कई विकल्प उपलब्ध हैं जो एड्स के स्थानांतरण को रोक सकते हैं। स्तनपान करवाने वाली माताओं को चयनित विकल्प, जैसे भोजन का नुसखे से प्रतिस्थापन की स्वीकार्यता, उपत्युक्तता, वहन करने की योग्यता और नियमितता के आधार पर निर्णय लेने के लिए परामर्श दिया जाना चाहिए।

* सूची पृष्ठ 19 पर उपलब्ध है।

Without a totally safe blood supply, no one is free from the risk of HIV infection. Securing an uninfected blood supply is one of DSACS' major challenges and one of its major efforts. In the early 1990s, a sharp, rising trend in HIV-positive blood donations was observed. More recently, the percentage of HIV-positive blood donations has stabilized and begun a slow decline.

Percent of Blood Donations Found to Be HIV-positive
Delhi, 1992-2004

रक्त अनुदान में एच आई वी संक्रमण का प्रतिशत
दिल्ली, 1992-2004

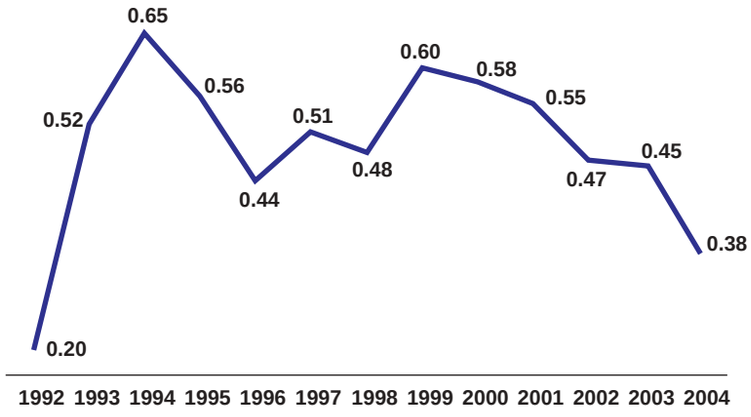

Delhi State AIDS Control Society
दिल्ली स्टेट एड्स कंट्रोल सोसाइटी

Features of the DSACS Blood Safety Campaign

- ❑ 41 blood banks city-wide
- ❑ 10 zonal blood testing centres
- ❑ 7 regional blood transfusion centres
- ❑ 2 blood component separation units
- ❑ Blood bank modernization with equipment and HIV testing kits
- ❑ Promotion of voluntary blood donations
- ❑ Effective quality control through licensing

सुरक्षित व निरापद रक्त आपूर्ति के बिना कोई भी एच आई वी संक्रमण के जोखिम से बाहर नहीं है। निरापद रक्त आपूर्ति डी एस ए सी एस के समक्ष बड़ी चुनौती है और इसे सुरक्षित रखना इसकी सबसे बड़ी कोशिश है। 1990 के शुरुआत में एच आई वी रक्त अनुदान में एक बढ़ता हुआ प्रचलन देखा गया था। अभी हाल में एच आई वी संक्रमित रक्त दान पर नियंत्रण कर लिया गया है और इसके दर में कमी आ रही है।

रक्त सुरक्षा मुहिम की विशेषताएं

- ❑ शहर में 41 रक्त बैंक
- ❑ 10 क्षेत्रीय रक्त जांच केन्द्र
- ❑ 7 आंचलिक रक्त परिवर्तन केन्द्र
- ❑ 2 रक्त तत्व पृथक्करण इकाइयां
- ❑ उपकरण व एच आई वी जांच का आधुनिकीकरण
- ❑ स्वैच्छिक रक्त दान को प्रोत्साहन
- ❑ लाइसेंसिंग के द्वारा प्रभावशाली गुणवत्ता नियंत्रण

Delhi State AIDS Control Society has been implementing AIDS prevention and control programmes since 1998. Its activities and programmes include:

- ❑ Mapping of risk groups
- ❑ Sentinel surveillance
- ❑ Monitoring and Evaluation
- ❑ Voluntary Counseling & Confidential Testing Centres
- ❑ Medicines for AIDS patients
- ❑ Medicines for opportunistic infections and post exposure prophylaxis
- ❑ Targeted interventions (e.g., truck drivers, sex workers)
- ❑ STD control programme
- ❑ Care and support centres
- ❑ Blood safety
- ❑ Prevention of parent to child transmission (PPTCT)
- ❑ Condom promotion
- ❑ Family Health Awareness Campaign (FHAC)
- ❑ *Stree Shakti* Camps
- ❑ School AIDS Education Programme
- ❑ Training programme for doctors, nurses, NGO staff and paramedical workers
- ❑ Intersectoral collaboration
- ❑ Enabling environment project

दिल्ली स्टेट एड्स कंट्रोल सोसाइटी 1998 से ही एच आई वी/एड्स को नियंत्रित करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों को क्रियान्वित करती रही है। इसकी गतिविधियों व कार्यक्रमों में शामिल है:

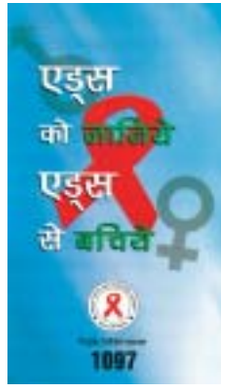

- ❑ जोखिमपूर्ण समूहों का मानचित्रण
- ❑ निगरानी
- ❑ निरीक्षण एवं मूल्यांकन
- ❑ स्वैच्छिक परामर्श तथा गोपनीय जांच केन्द्र
- ❑ एड्स के रोगियों के लिए दवाइयां
- ❑ अवसरवादी संक्रमण व संभावित जोखिम निरोधी चिकित्सा की दवाइयां
- ❑ लक्षित हस्तक्षेप (जैसे ट्रक ड्राइवर, यौन कार्यकर्त्ता आदि)
- ❑ यौन संचारित रोग नियंत्रण कार्यक्रम
- ❑ देखरेख और सहयोग केन्द्र
- ❑ रक्त सुरक्षा
- ❑ माता-पिता से बच्चे को संक्रमण की रोकथाम
- ❑ कंडोम के उपयोग को प्रोत्साहन
- ❑ पारिवारिक स्वास्थ्य जागरूकता अभियान
- ❑ स्त्री शक्ति शिविर
- ❑ स्कूल एड्स शिक्षा कार्यक्रम
- ❑ डॉक्टरों, नर्सों और एन जी ओ के कार्यकर्त्ताओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम
- ❑ अन्तर प्रभागीय सहयोग
- ❑ अनुकूल वातावरण निर्माण परियोजना

All India Institute of Medical Sciences, Ansari Nagar, Ring Road	■	▲	◆	●	अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, रिंग रोड़
Lok Nayak Jai Prakash Hospital/MAMC, Jawahar Lal Nehru Marg	■	▲	◆	●	लोक नायक जयप्रकाश अस्पताल/एम ए एम सी, जवाहर लाल नेहरू मार्ग
Dr. Ram Manohar Lohia Hospital, Baba Khadak Singh Marg	■	▲	◆	●	डॉ राम मनोहर लोहिया अस्पताल, बाबा खड़ग सिंह मार्ग
Safdarjung Hospital, Ring Road		▲	◆	●	सफदरजंग अस्पताल, रिंग रोड़
Deen Dayal Upadhayay Hospital, Hari Nagar		▲	◆	●	दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल, हरि नगर
Guru Teg Bahadur Hospital & UCMS, Shahdara		▲	◆	●	गुरू तेग बहादुर अस्पताल और यू सी एम एस, शाहदरा
Hindu Rao Hospital, Bara Hindu Rao		▲	◆	●	हिन्दुराव अस्पताल, बाड़ा हिन्दुराव
Sucheta Kriplani Hospital & LHMC, Panchkuian Road		▲	◆	●	सुचेता क्रिपलानी अस्पताल और एल एच एम सी, पंचकुइयां रोड़
Mrs. Girdhar Lal Maternity Hospital, Ajmeri Gate		▲	◆	●	श्रीमति गिरधर लाल मेटरनिटी अस्पताल, अजमेरी गेट
Kasturba Gandhi Hospital, Jama Masjid		▲		●	कस्तूरबा गांधी अस्पताल, जामा मस्जिद
Armed Forces Transfusion Centre, Delhi Cantonment		▲		●	आर्म्ड फोरसेज़ ट्रांसफ्यूज़न सेंटर, दिल्ली केनटोनमेंट
Dr. Baba Saheb Ambedkar Hospital, Sector 6, Rohini		▲		●	डॉ बाबा साहेब अम्बेडकर अस्पताल, सैक्टर 6, रोहिणी
Guru Gobind Singh Government Hospital, Raghubir Nagar		▲		●	गुरू गोबिंद सिंह सरकारी अस्पताल, रघुवीर नगर
Lal Bahadur Shastri Hospital, Khichripur		▲		●	लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल, खिचड़ीपुर
Dr. Hegdewar Arogya Sansthan, Karkardooma		▲		●	डा. हेडगेवार आरोग्य संस्थान, कड़कड़डूमा
Babu Jagjivan Ram Memorial Hospital, Jahangirpuri		▲		●	बाबू जगजीवन राम मेमोरियल अस्पताल, जहाँगीरपुरी
Rao Tula Ram Memorial Hospital, Jaffarpur		▲		●	राव तुला राम मेमोरियल अस्पताल, जफरपुर
Sanjay Gandhi Memorial Hospital, Mangolpuri		▲		●	संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल, मंगोलपुरी
Lala Ram Swaroop Institute of TB and Respiratory Diseases, Mehrauli				●	लाला राम स्वरूप टीबी व श्वासन रोग संस्थान, महरौली
Rajan Babu TB Hospital, Kingsway Camp				●	राजन बाबू टीबी अस्पताल, किंगज़वे कैम्प
Northern Railway Divisional Hospital, S.P. Mukherjee Marg				●	उत्तर रेलवे डिवीजनल अस्पताल, एस पी मुखर्जी मार्ग
National Institute of Communicable Diseases, Shamnath Marg				●	राष्ट्रीय संचारित रोग संस्थान, शामनाथ मार्ग
NDMC Polyclinic, Shaheed Bhagat Singh Marg				●	एनडीएमसी पोलीक्लीनिक, शहीद भगत सिंह मार्ग
Satyawadi Raja Harish Chandra Hospital, Sector A-7, Narela				●	सत्यवादी राजा हरीश चन्द्र अस्पताल, सेक्टर ए-7, नरेला
Maharishi Balmiki Hospital, Poothkhurd				●	महाऋषि बालमिकी अस्पताल, पूठखुर्द
Chest Clinic, Karawalnagar				●	चेस्ट क्लीनिक, करावलनगर
Kalkajee MCD Colony Hospital, Kalkajee				●	कालकाजी एमसीडी कालोनी अस्पताल, कालकाजी
NDMC Maternity Hospital, R.K. Puram				●	एनडीएमसी मेटरनिटी अस्पताल, आर के पुरम
CGHS Maternity Hospital, Lodhi Colony		▲			सीजीएचएस मेटरनिर्टी अस्पताल, लोधी कालोनी
NDMC Hospital, Moti Nagar		▲			एनडीएमसी अस्पताल, मोती नगर
Northern Railway Main Hospital, Basant Lane		▲			नार्दन रेलवे मेन अस्पताल, बसंत लेन
Swami Dayanand Hospital, Shahadra		▲			स्वामी दयानन्द अस्पताल, शाहदरा
Skin and VD Clinic, MCD Dispensary, Roshanara Road			◆		स्किन एण्ड वी डी क्लीनिक, एम सी डी डिस्पेंसरी, रोशनआरा रोड़
Skin and VD Clinic, MCD Dispensary, Lal Kuan			◆		स्किन एण्ड वी डी क्लीनिक, एम सी डी डिस्पेंसरी, लाल कुआं
AKANKSHA, B 17/4, West Jyoti Nagar, Shahdara				⌘	आकांक्षा, बी 17/4, वेस्ट ज्योति नगर, शाहदरा
ASHRAYA, Multi-purpose Community Centre Building, Rajokari Gaon				⌘	आश्रय, मल्टीपरपज़ कॉम्युनिटी सेंटर बिल्डिंग, राजौकरी गाँव
SAHARA's Michel Care Home A-48, Freedom Fighter's Cly, Neb Sarai				⌘	सहारा, माइकल केयर होम, ए-48, फ्रीडम फाइटर्स कालोनी, नेब सराय

■ Antiretroviral Therapy Clinic
▲ Prevention of Parent to Child Transmission Centre
◆ Sexually Transmitted Diseases Clinic
● Voluntary Counseling & Confidential Testing Centre
⌘ Community Care Centre

■ ए आर टी क्लीनिक
▲ माता-पिता से शिशु संक्रमण रोकथाम केन्द्र
◆ यौन रोग निदान क्लीनिक
● स्वैच्छिक परामर्श एवं गोपनीय जांच केंद्र
⌘ सामुदायिक सेवा केन्द्र

HIV Prevalence at Sentinel Sites, Delhi, 1999 - 2004
(percent testing positive for HIV)
आकलन रक्षा केन्द्रों में एच आई वी का अनुपात, दिल्ली 1999-2004
(प्रतिशत जो जांच में एच आई वी के लिए पाजिटिव पाए गए)

	STD यौन संचारित रोग	ANC प्रसव पूर्व क्लीनिक
1999	0.8	0.25
2000	3.2	0.16
2001	5.2	0.12
2002	3.4	0.25
2003	5.7	0.12
2004	7.4	0.31

	STD/यौन संचारित रोग				ANC/प्रसव पूर्व क्लीनिक			
	ESI Hospital ईएसआई अस्पताल	GTB Hospital जीटीबी अस्पताल	LNJP Hospital एलएनजेपी अस्पताल	Safdarjung Hospital सफदरजंग अस्पताल	GTB Hospital जीटीबी अस्पताल	Kasturba Gandhi Hospital कस्तूरबा गांधी अस्पताल	Safdarjung Hospital सफदरजंग अस्पताल	SGM Hospital एसजीएम अस्पताल
1999	-	-	-	0.8	0.0	-	0.3	0.3
2000	-	3.3	4.4	2.0	0.0	-	0.3	0.3
2001	7.4	5.8	2.8	6.4	0.0	0.3	0.0	0.3
2002	7.3	2.9	3.6	0.8	0.3	0.3	0.0	0.5
2003	7.8	5.8	7.2	2.4	0.0	0.3	0.0	0.3
2004	8.5	7.5	9.2	4.8	0.0	0.5	0.5	0.3

HIV Prevalence at Selected Sentinel Sites, Delhi, 2004
चयनित आकलन रक्षा केन्द्रों में एच आई वी का अनुपात, दिल्ली, 2004

	Total योग	Age/आयु				Migrant Status/पलायन की स्थिति		Literacy Status/साक्षरता	
		< 20	20-29	30-44	45+	Migrant प्रवासी	Non-migrant अप्रवासी	Illiterate निरक्षर	Literate साक्षर
STD/यौन संचारित रोग	7.4	8.2	6.8	8.6	5.4	8.3	7.2	8.0	7.2
ANC/प्रसव पूर्व क्लीनिक	0.3	0.3	0.3	0.8	0.0	0.0	0.4	0.0	0.5

Delhi State AIDS Control Society
दिल्ली स्टेट एड्स कंट्रोल सोसाइटी

इस चार्ट बुक की अतिरिक्त प्रतियों के लिए कृपया निम्नलिखित में से किसी एक पते पर संपर्क करें:

दिल्ली स्टेट एड्स कंट्रोल सोसाइटी
डॉ. बाबा साहिब अम्बेडकर अस्पताल, धर्मशाला खण्ड, सैक्टर 6, रोहिणी, दिल्ली-110 085
Tel.: 91-11-2705 5660, 2705 5650 e-mail: sacs_delhi@nacoindia.org website: dsacs.delhigovt.nic.in

पॉपुलेशन फाउंडेशन ऑफ इण्डिया
बी-28, कुतब इन्स्टीट्यूशनल एरिया, तारा क्रैसेन्ट, नई दिल्ली-110 016
Tel.: 91-11-5289 9770 Fax: 91-11-5289 9795 e-mail: popfound@sify.com website: popfound.org

पॉपुलेशन रेफेरेन्स ब्यूरो
1875 कनैक्टीकट एवेन्यू, नार्थवैस्ट, सूट 520, वाशिंगटन-डी सी 20009
Tel.: (202) 483-1100 Fax: (202) 328-3937 e-mail: popref@prb.org website: prb.org

वित्तीय सहयोग बिल एण्ड मेलिन्डा गेट्स फॉउंडेशन के सौजन्य से प्राप्त हुआ।

भारत में अजन्ता ऑफसेट एण्ड पैकेजिंग्स लिमिटेड, दिल्ली द्वारा मुद्रित। दिसम्बर 2005

For additional copies of this chartbook, please contact one of the following organisations:

Delhi State AIDS Control Society (DSACS)
Dr. Baba Saheb Ambedkar Hospital, Dharamsala Block, Sector-6, Rohini, Delhi-110 085
Tel.: 91-11-2705 5660, 2705 5650 e-mail: sacs_delhi@nacoindia.org website: dsacs.delhigovt.nic.in

Population Foundation of India
B-28, Qutab Institutional Area, Tara Crescent, New Delhi 110 016
Tel.: 91-11-5289 9770 Fax: 91-11-5289 9795 e-mail: popfound@sify.com website: popfound.org

Population Reference Bureau
1875 Connecticut Ave., NW, Suite 520, Washington, DC 20009
Tel.: (202) 483-1100 Fax: (202) 328-3937 e-mail: popref@prb.org website: prb.org

Funding was provided through the generosity of the Bill & Melinda Gates Foundation

Printed in India by Ajanta Offset & Packagings Ltd., Delhi. December 2005

HIV/AIDS
in
DELHI
Meeting the Challenge

दिल्ली
में
एच आई वी/एड्स
चुनौती का सामना